

DPN 5966

Title : गणपति हृदय SANAPATI HRDAYA

Run. No. 6657

Cat. No.

Micro. No.

Subject सौत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 17 X 7

Folios 11

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्नवज्राचार्य
Phanindra Ratna vajra carya

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमो भगवते आर्य गणपति हृदयाय ॥ हृदय मया शुभमेकादिभिरुत्तमैर्भगवान्नाम क गृह विहारी
स्म ...

गरापति हृदय

फरणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

गद्ययानि रुदयाथ न
मय रुगवात्रा जागृह्वि
र्वनमह नारि श्रुसधन
श्रुस न वासर्वहलेभवा
द्वलूय न गसमर्थ रुगवा

[illegible]

जिनाय स्वाहा नाडै कट १ मट १ दच १ विदच १ हन १ ग १ क १ धाव १ रु
 उह १ डा म् १ रु म् १ मा ह १ द ह १ द पाय च १ ध ना सि दि दि म य य क
 हं न मा नू ड व च नाय स्वाहा नाडै अ अ ह न वि नू य सि न पि न वि रु म म
 हा हा म मा ग क नि वा म हा ह य म हा व ल य च क मा वा म हा ह सि द कि ना
 य य रा द पाय य स्वाहा नाडै न मा म् न म हा ग ध य न य स्वाहा नाडै ग ४ ग ४ ग

१

धम य य अ म हा मू दान् म रु ना य रा ड मा यी न सि दि ना य न मा ह ग व न
 न दि के ग व न म हा का ला य कि यू न न ग च वि दा य ध क चा य न अ धि मू ष्ठी क
 का र्मी न म हा म म न नी न वा सि हा य रा न मा मा ह ग धा सि दि ना य न न
 मा ह ग व न न य ग न कू ल स्य न मा ह ग व न य न कू ल स्य न मा ह ग व न व
 ज कू ल स्य न मा ह ग व न म धि कू ल स्य न मा ह ग व न ग ज कू ल स्य न मा ह

गवतकर्मकुलस्य नमो रुगवतं जलकुलस्य नमो रुगवतकुलाय नमः
लस्य नमो रुगवतनागकुलस्य नमो रुगवतजागकुलस्य नमो ॥ न
मो रुगवतदृढगुणधामनयसुखमो जायत आगताया हेतुसम्यक्ताः
वृद्धाय नमो रुगवतं अमिताभाय नमो आगताया हेतुसम्यक्ता वृद्धाय
नमो रुगवतं अश्वत्थाय नमो आगताया हेतुसम्यक्ता वृद्धाय नमो रुगवतं

[illegible]

नमः आगनाया हनसस्य कौं वृद्धाय नमः हगवनीगोविन्द नमः आगनाया
हनसस्य कौं वृद्धाय नमः हगवनीविगवेरु वन आगनाया हनसस्य कौं वृद्धाय
नमः हगवनीक कू के दाय नमः आगनाया हनसस्य कौं वृद्धाय नमः हः
गवनीक न क म न य नमः आगनाया हनसस्य कौं वृद्धाय नमः हगवनीका
गधया य नमः आगनाया हनसस्य कौं वृद्धाय नमः हगवनीका क म न य नमः आ

गनाया हनसस्य कौं वृद्धाय नमः हगवनीचल च दाय नमः आगनाया हन
सस्य कौं वृद्धाय नमः हगवनीचल के रु चा जाय नमः आगनाया हनसस्य
कौं वृद्धाय नमः हगवनीसमक ह दाय नमः आगनाया हनसस्य कौं वृद्धाय
नमः वि की स न क म ला य ल ग न्व के रु चा जाय नमः आगनाया हनसस्य कौं वृः
द्धाय नमः गोचरानमः कृत्वा हु मां हगवनीं सर्व नमः आगनाया कौं वृद्धाय नमः

पञ्च नामाय चाभि नांय र्थगि चांयव कामिनासु र्वकालिकलहाविग्रहावि
 वादयगमनीं सर्वरुगहासिनेवाचधीमाय क ना कस्यहा धांवि धंसनकनी
 मयकु जगीदि नी गहासहा धांवि धंसनकनी अस्मि विंगनी नांन कणाधे
 यहादनकपि र्म सर्वगफुनिवाचिधी अस्मि नांमहा गहाध्मांवि धंसनकनी
 मधा चद्रुद्रुः खानां चावि नागनी र्विषगहा अद्वासाचिधीनासर्व

यूसु र्वालिखिथानिलदायायथानि ॥ सगना युरीयवर्षस नायु र्वावे
 थानि ॥ यूनत्रवायु र्वाविथानि विव चायेथानि ॥ १२ ॥ उं नमारुगवर्
 ॥ जः ॥ दुदमयायिमे नायूसु र्वालिखिथानि ॥ सनक वाविन्न चकद्रुय
 यद्यननि र्वाग्मीनजमलो क कणाचद्रुयस्य ॥ जय ॥ २५ ॥ उं नमारुगवर्
 न ॥ स र्वयु जग २ ॥ जानिस्मा वा र्वाविथानि ॥ १३ ॥ उं नमारुगवर्

अ००० दंमयी श्रीमन्नायसुर्गोत्तरेवर्षाकालिस्वार्थयथादि॥ ननवकुग
 गीर्वाणमस्तुदसाभिलिखीयेनानिर्वाणैक्यायेनानिर्वाणैक्यादि॥
 ॥ १४ ॥ नमो हरावना ज००० दमय श्रीमन्नायसुर्गोत्तरेवर्षाकालिस्व
 र्थयथादिः कचकुगार्वाणैधर्मो जाजिक्कास दसाधिकालोयनानिर्वा
 र्थयथादि॥ १५ ॥ नमो हरावना ज००० दंमयी श्रीमन्नायसुर्गोत्तरेवर्षा

विनीतागमकचिक्काचः आसगुणगीगियरागुत्तरेवर्षाकालिस्वार्थयथादि॥ ननवकुग
 हरावना ज००० दमय श्रीमन्नायसुर्गोत्तरेवर्षाकालिस्वार्थयथादिः कचकुगार्वाणैधर्मो
 जाजिक्कास दसाधिकालोयनानिर्वा र्थयथादि॥ १५ ॥ नमो हरावना ज००० दंमयी श्रीमन्नायसुर्गोत्तरेवर्षा
 कालिस्वार्थयथादिः कचकुगार्वाणैधर्मो जाजिक्कास दसाधिकालोयनानिर्वा र्थयथादि॥ १५ ॥

लयासि वज्रधनायाय कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना
महायगुयानि कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना महाकालकृणा
विद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना मारुकागध कृणाविद्याष्टिदयाः २०
म्यसिनाकीलयासि वज्रधना कायानि कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलया
सि वज्रधना गवच कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना यूकगीक

कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना मूर्धवन कृणाविद्याष्टिदयाम्य
सिनाकीलयासि वज्रधना वज्रकोमायी कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि
वज्रधना यमायि कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना यमद्रु कृणा
विद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्रधना वृचनाग कृणाविद्याष्टिदयाम्यसि
नाकीलयासि वज्रधना श्रेयिकर्म कृणाविद्याष्टिदयाम्यसिनाकीलयासि वज्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

११